शाहजहाँ (1627-1658 ई.)

☞ शाहजहाँ का शाब्दिक अर्थ-संसार का स्वामी होता है। इनके काल को स्वर्णकाल कहा गया है। इनके समय में स्थापत्य कला का सबसे अधिक विकास हुआ। इसलिए स्थापत्य कला का स्वर्णकाल भी शाहजहाँ के काल को कहा गया है। इनके उपलब्धियों का वर्णन निम्नलिखित है-

KD LIVE

रंजीत यादव सर

☞ प्रारंभिक जीवन- शाहजहाँ का जन्म **1592** ई. में लाहौर में हुआ था। इनकी माँ का नाम जगत गोसाई था। बचपन का नाम खुर्रम था, जिसका शाब्दिक अर्थ खुशी होता है। अहमदनगर अभियान के सफल होने पर जहाँगीर ने इनको **1617** ई. में शाहजहाँ की उपाधि से सम्मानित किया। **1612** ई. में आसफ खाँ की पुत्री अरजुमन्द-बानो बेगम से इसका विवाह हुआ जो मुमताज महल के नाम से विख्यात हुई। **1631** में मुमताजमहल की मृत्यु हुई और इनकी याद में ताजमहल बनवाया गया।

सैन्य अभियान

☞ बुदेलों का विद्रोह **(1628-1636)–** जुझर सिंह ने विद्रोह करते हुए स्वयं को स्वतंत्र घोषित कर दिया। इसके विद्रोह को दबाया गया। लेकिन इसके उत्तराधिकारी चम्पत राय और छत्रसाल ने विद्रोह को जारी रखा।

☞ खानेजहाँ तेलंगानी का विद्रोह **(1628-1631)–** यह मालवा का सुबेदार था। इसके विद्रोह को पूर्ण रुप से कुचल दिया गया।

☞ पुर्तगाली (1632)– इन लोगो ने हुगली पर नियंत्रण करते हुए विद्रोह किया परिणामस्वरुप अभियान किया तब पुर्तगाली लोग फुल्टा द्वीप में शरण लिये।

☞ शाहजहाँ ने हुगली जैसे औद्योगिक नगर पर नियंत्रण कर लिया।

☞ अहमद नगर (1636)– शिवाजी के पिताजी शाह जी भोसले ने मुर्तजा तृतीय नामक बालक को गद्दी पर बैठाकर स्वयं संरक्षक बन गये। मीरजुमला नामक व्यक्ति भी इस राज्य से संबंधित था। औरंगजेब ने अभियान किया और अहमदनगर को मुगल साम्राज्य में मिला लिया गया।

- शाहजहाँ के समय में अहमदनगर को मुगल साम्राज्य में मिलाया गया। इस विजय के उपलक्ष्य में दिल्ली के समीप शाहजहाँनाबाद नामक नये नगर का निर्माण कराकर इसको राजधानी बनाया गया।
- अहमदनगर विजय के अवसर पर मीरजुमला ने कोहिनूर हीरा शाहजहाँ को प्रदान किया।
- शाहजहाँ ने अपने बड़े पुत्र दाराशिकोह को जैसे ही उत्तराधिकारी घोषित किया उत्तराधिकारी का युद्ध शुरु हो गया, जिसका वर्णन निम्नलिखित है-

KD LIVE

रंजीत यादव सर

उत्तराधिकार का युद्ध:

1. बहादुरगढ का युद्ध (फरवरी **1658**)- शाहशूजा और जय सिंह विजयी-जय सिंह
2. धरमत का युद्ध (अप्रैल **1658**)- जसवंत सिंह और औरंगजेब विजयी-औरंगजेब
3. सामूगढ़ का युद्ध (जुन **1658**)- दराशिकोह और औरंगजेब विजय-औरंगजेब
4. देवराई का युद्ध (**1659**)- दाराशिकोह और औरंगजेब विजयी-औरंगजेब

☞ स्थापत्य कला- शाहजहाँ के शासन काल को स्थापत्य कला का स्वर्ण काल कहा गया है। इस समय मुख्य विशेषता सफेद संगमरमर का प्रयोग करना था।

☞ सफेद संगमरमर जोधपुर (राजस्थान) के मकराना से मंगाया जाता था।

☞ दीवान-ए-आम- यह दिल्ली में स्थित है। इसमें मयूर सिंहासन या तख्त-ए-ताऊस रखा गया था, जिसमें कोहीनूर हीरा लगा हुआ था। शाहजहाँ के आदेश पर बेबादल खाँ ने मयूर सिंहासन का निर्माण किया था।

☞ दीवान-ए-खाश-दिल्ली के इस इमारत के दीवार पर अमीर खुसरों का एक आयत अंकित है जैसे- "गर फरदौस बर रुएँ जमी अस्तो, हमीं अस्तो, हमी अस्तो" अर्थात् पृथ्वी पर अगर कही स्वर्ग है तो यहीं है, यहीं है, और यहीं है।

☞ इसने दिल्ली में जामा मस्जिद और लाल किला का निर्माण कराय था हामिद और अहमद इसके वास्तुकार थे।

☞ इसने आगरा में मोती मस्जिद का निर्माण भी कराया था। पर्सी ब्राउन के अनुसार मोती-मस्जिद मुगल वास्तुकला की सर्वश्रेष्ठ कृति है।

KD LIVE

रंजीत यादव सर

- ताजमहल-आगरा में मुमताज महल की याद में शाहजहाँ ने इसका निर्माण कराया। **1631** में कार्य प्रारंभ हुआ जो **1652** में पूरा हुआ। उस्ताद इसा खाँ इसका वास्तुकार था। हामिद लाहौरी ने इसका नक्शा तैयार था, जिसको नादिर-उल-असर की उपाधि से सम्मानित किया गया। ताजमहल की मुख्य विशेषता इसकी लम्बाई और चौड़ाई का समान होता है।
- शाहजहाँ ने श्रीनगर में शालीमार बाग और निशात बाग का निर्माण कराया था।
- इसने आगरा में दीवाने आम, दीवाने खास, नगीना महल, मच्छीमहल और नहर-ए-बहिस्त का निर्माण कराया।
- मुगल बादशाह में शाहजहाँ के समय सबसे अधिक नहरों का निर्माण किया गया।

☞ संगीत कला- इस क्षेत्र में हमजान और गजल गायक लाल खाँ का नाम लिया जाता है। लाल खाँ को शाहजहाँ ने गुणसमंदर की उपाधि से सम्मानित किया।

☞ चित्रकला- चित्रकला के क्षेत्र में अनुपचित्र और मुहम्मद फकीर इसके दरबार में रहते थे।

- शिक्षा एवं साहित्य-इसके राज दरबार में पंडित जगनाथ रहते थे।, जिन्होंने रसगंगाधर और गंगालहरी नामक पुस्तक लिखा था। केशवदास ने कवि प्रिया, रसिक प्रिया तथा अलंकार मंजरी नामक ग्रंथ लिखा था।
- **1666** में शाहजहाँ की मृत्यु हुई। कैदखाने में इसकी पुत्री जहाँआरा ने इसकी देखभाल किया था। इनको ताजमहल में दफनाया गया और इनके बाद औरंगजेब शासक बने।